



Aarush Jain

18 Nov 2008

09:53 AM

Gwalior

Model: Web-LalKitabRatna

Order No: 121596601

लालकिताब जन्मपत्रिका

लाल किताब की इस जन्मपत्रिका में जन्मकुण्डली, दशा, ग्रह स्पष्ट, लाल किताब कुण्डली व वर्ष कुण्डली के साथ यह भी बताया गया है कि आपका एवं परिवार का स्वास्थ्य कैसा रहेगा एवं उनका आपके प्रति व्यवहार कैसा रहेगा। इसमें रत्न कौन सा धारण करें व अन्य उपायों के साथ ग्रह फल, दशा फल व वर्षफल आदि भी दिए गए हैं। प्रयत्न किया गया है कि जातक को जिस प्रकार की जानकारी प्राप्त करने की अभिलाषा रहती है वह पूरी तरह दी जा सके।

लालकिताब जन्मपत्रिका को ध्यान से पढ़ने पर आपको यह मालूम होगा कि आपके साथ क्या घटना घटित हो रही है। ग्रहों के आधार पर यह भी बताया गया है कि अमुक जातक को पूजा-पाठ करना चाहिए या नहीं। वर्षफल में जिन सावधानियों को बरतने के लिये कहा गया है, उन सावधानियों के प्रति आजीवन सतर्क रहें। जो बातें आपके लिये शुभ लिखी गयी है, उनको अपने जीवन में अवश्य अपनाएं एवं जिन बातों को आपके लिये अशुभ लिखा गया है उन बातों को निश्चय कर हमेशा के लिये त्याग दें।

इस लालकिताब में व्यवसाय, कारोबार, नौकरी आदि के बारे में भी बतलाया गया है। इनसे संबंधित आपके लिये क्या लाभदायक रहेगा और क्या हानिकारक रहेगा इसकी विशेष जानकारी दी गयी है। जीवन में अधिक सफलता प्राप्त करने के लिए लालकिताब के उपाय जिस समय तथा जिन आयु में करने के लिए कहे गये हैं उन्हीं आयु में ही करें।

लालकिताब में जीवन में आने वाली कठिनाईयों का समय भी दर्शाया गया है। जीवन में कब कहां और जीवन के किस मोड़ पर कौन सी परेशानी आ सकती है यह तो बताया ही गया है साथ ही इनसे बचने के उपाय भी बताये हैं। यदि आपका समय अच्छा चल रहा है और आप अपने लिए दिये गये उपाय कर रहे हैं तो आपके भाग्य का फल कई गुना बढ़ जायेगा और यदि प्रतिकूल समय में आप यह उपाय कर रहे हैं तो आपका बुरा समय धीरे-धीरे नष्ट हो जायेगा एवं सफलता आपके कदमों को चूमेगी।

सभी जातकों से अनुरोध है कि इस लालकिताब जन्मपत्रिका को अपने जीवन में केवल मार्गदर्शक के रूप में ही उपयोग करें व इसके अक्षराक्षर पर निर्भर न रहें। इस पत्रिका में हमने अनेक शास्त्रों की सहायता लेकर आपके लिए फलादेश दिए हैं लेकिन विभिन्न कारणवश इसकी कोई गारंटी नहीं ली जा सकती कि यह पूर्ण रूपेण सत्य ही हो। अतः जातक इस पत्रिका पर आधारित निर्णय के लिए स्वयं ही जिम्मेदार होंगे।

लिंग _____: पुल्लिंग
जन्म तिथि _____: 18/11/2008
दिन _____: मंगलवार
जन्म समय _____: 09:53:00 घंटे
इष्ट _____: 08:06:11 घटी
स्थान _____: Gwalior
राज्य _____: Madhya Pradesh
देश _____: India

अक्षांश _____: 26:12:00 उत्तर
रेखांश _____: 78:09:00 पूर्व
मध्य रेखांश _____: 82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार _____: -00:17:24 घंटे
ग्रीष्म संस्कार _____: 00:00:00 घंटे
स्थानिक समय _____: 09:35:36 घंटे
वेलान्तर _____: 00:14:48 घंटे
साम्पातिक काल _____: 13:25:57 घंटे
सूर्योदय _____: 06:38:31 घंटे
सूर्यास्त _____: 17:26:44 घंटे
दिनमान _____: 10:48:12 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन) _____: दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल) _____: दक्षिण
ऋतु _____: हेमन्त
सूर्य के अंश _____: 02:12:55 वृश्चिक
लग्न के अंश _____: 14:35:44 धनु

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति _____: धनु - गुरु
राशि-स्वामी _____: कर्क - चन्द्र
नक्षत्र-चरण _____: पुष्य - 3
नक्षत्र स्वामी _____: शनि
योग _____: शुक्ल
करण _____: वणिज
गण _____: देव
योनि _____: मेष
नाड़ी _____: मध्य
वर्ण _____: विप्र
वश्य _____: जलचर
वर्ग _____: मेष
युँजा _____: मध्य
हंसक _____: जल
जन्म नामाक्षर _____: हो-होशियार
पाया(राशि-नक्षत्र) _____: लौह - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य) _____: वृश्चिक

पंचांग

दादा का नाम _____ :
पिता का नाम _____ :
माता का नाम _____ :
जाति _____ :
गोत्र _____ :

कैलेंडर	वर्ष	मास	तिथि/प्रविष्टे
राष्ट्रीय	शक : 1930	कार्तिक	27
पंजाबी	संवत : 2065	मार्गशीर्ष	4
बंगाली	सन् : 1415	मार्गशीर्ष	2
तमिल	संवत : 2065	कार्तिकई	3
केरल	कोल्लम : 1184	वृश्चिकम	3
नेपाली	संवत : 2065	मार्गशीर्ष	3
चैत्रादि	संवत : 2065	मार्गशीर्ष	कृष्ण 6
कार्तिकादि	संवत : 2065	कार्तिक	कृष्ण 6

पंचांग

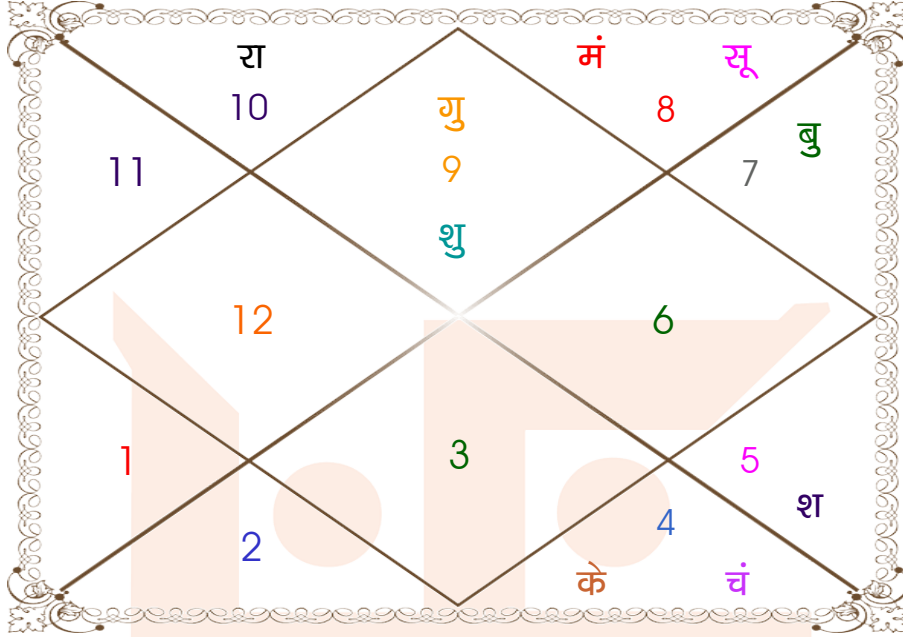
सूर्योदय कालीन तिथि _____ : 6
तिथि समाप्ति काल _____ : 17:04:02
जन्म तिथि _____ : 6
सूर्योदय कालीन नक्षत्र _____ : पुष्य
नक्षत्र समाप्ति काल _____ : 20:45:30 घंटे
जन्म योग _____ : पुष्य
सूर्योदय कालीन योग _____ : शुक्ल
योग समाप्ति काल _____ : 21:49:11 घंटे
जन्म योग _____ : शुक्ल
सूर्योदय कालीन करण _____ : वणिज
करण समाप्ति काल _____ : 17:04:02 घंटे
जन्म करण _____ : वणिज
भयात _____ : 29:25:01
भभोग _____ : 56:36:18
भोग्य दशा काल _____ : शनि 9 वर्ष 0 मा 23 दि

घात चक्र

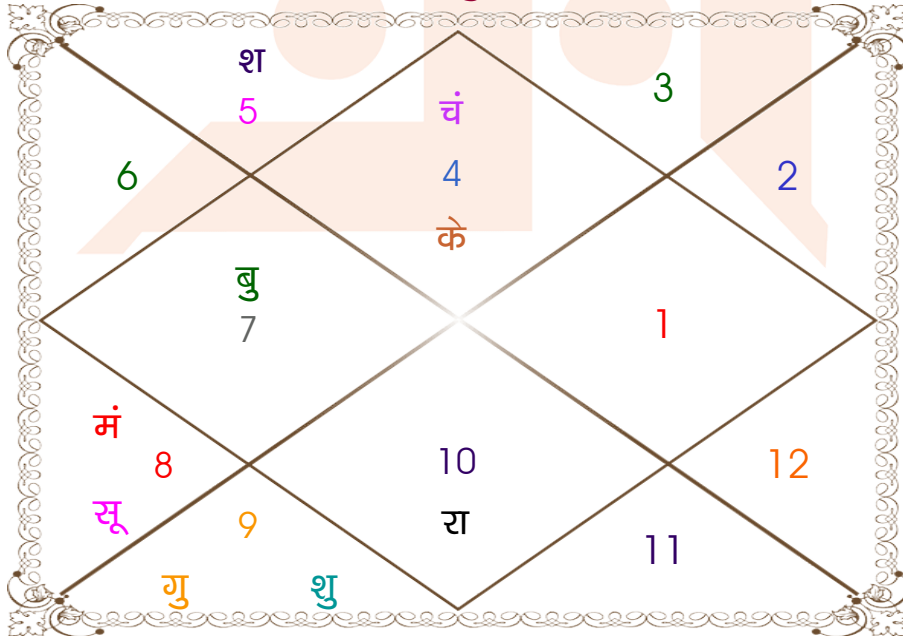
मास _____ : पौष
तिथि _____ : 2-7-12
दिन _____ : बुधवार
नक्षत्र _____ : अनुराधा
योग _____ : व्याघात
करण _____ : नाग
प्रहर _____ : 1
वर्ग _____ : श्वान
लग्न _____ : तुला
सूर्य _____ : सिंह
चन्द्र _____ : सिंह
मंगल _____ : कन्या
बुध _____ : मिथुन
गुरु _____ : तुला
शुक्र _____ : वृश्चिक
शनि _____ : कर्क
राहु _____ : धनु

जन्म कुण्डली

लग्न कुण्डली



चन्द्र कुण्डली



लग्न कुण्डली और दशा

लग्न कुण्डली

			के चं
रा			श
शु ल गु	मं सू	बु	

लग्न कुण्डली

के चं			रा
श		ल गु	शु
	बु	सू मं	

विंशोत्तरी
शनि 9वर्ष 0मा 23दि
शनि

18/11/2008

13/12/2118

शनि	11/12/2017
बुध	12/12/2034
केतु	11/12/2041
शुक्र	11/12/2061
सूर्य	12/12/2067
चन्द्र	11/12/2077
मंगल	11/12/2084
राहु	13/12/2102
गुरु	13/12/2118

योगिनी
धान्या 1वर्ष 5मा 5दि
सिद्धा

24/04/2025

24/04/2032

सिद्धा	04/09/2026
संकटा	25/03/2028
मंगला	04/06/2028
पिंगला	24/10/2028
धान्या	25/05/2029
भामरी	05/03/2030
भद्रिका	23/02/2031
उल्का	24/04/2032

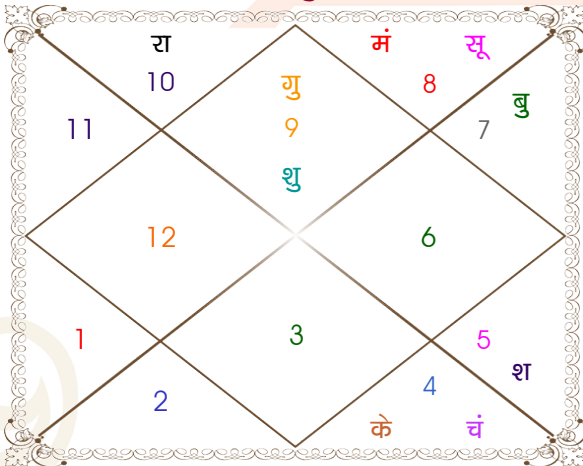
ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	राशि	अंश	स्थिति	अंधा	सोया	धर्मी	नेक/मन्दा
लग्न	धनु	14:35:44	---	--	--	--	नेक
सूर्य	वृश्चिक	02:12:55	मित्र राशि	--	--	--	नेक
चन्द्र	कर्क	10:18:23	स्वराशि	--	--	--	मन्दा
मंगल	वृश्चिक	07:19:32	स्वराशि	--	--	--	नेक
बुध	तुला	27:52:44	मित्र राशि	--	--	--	नेक
गुरु	धनु	25:43:26	स्वराशि	--	हाँ	--	मन्दा
शुक्र	धनु	12:38:16	सम राशि	--	हाँ	--	नेक
शनि	सिंह	26:06:07	शत्रु राशि	--	--	--	नेक
राहु	व मकर	18:36:07	मित्र राशि	--	हाँ	--	नेक
केतु	व कर्क	18:36:07	मित्र राशि	--	--	हाँ	मन्दा

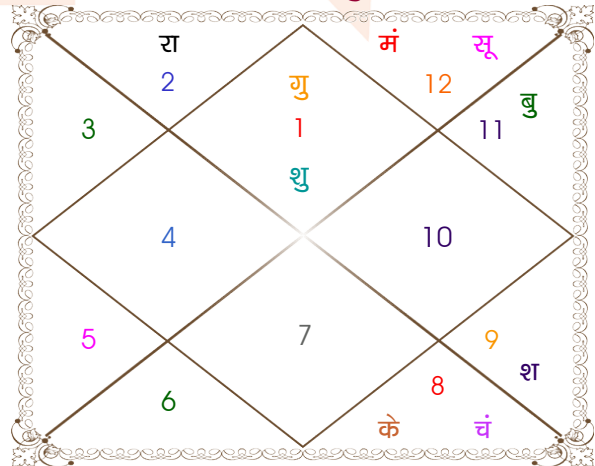
भाव स्थिति

खाना नं.	मालिक	पक्का घर	किस्मत जगानेवाला	सोया	उच्च	नीच
1	मंगल	सूर्य	मंगल	--	सूर्य	शनि
2	शुक्र	गुरु	चंद्र	--	चंद्र	--
3	बुध	मंगल	बुध	हाँ	राहु	केतु
4	चंद्र	चंद्र	चंद्र	हाँ	गुरु	मंगल
5	सूर्य	गुरु	सूर्य	हाँ	--	--
6	बुध	बुध,केतु	केतु	--	बुध,राहु	शुक्र,केतु
7	शुक्र	शुक्र,बुध	शुक्र	--	शनि	सूर्य
8	मंगल	मंगल,शनि	चंद्र	--	--	चंद्र
9	गुरु	गुरु	शनि	--	केतु	राहु
10	शनि	शनि	शनि	हाँ	मंगल	गुरु
11	शनि	शनि	गुरु	--	--	--
12	गुरु	गुरु,राहु	राहु	--	शुक्र,केतु	बुध,राहु

लग्न कुंडली



लालकिताब कुंडली



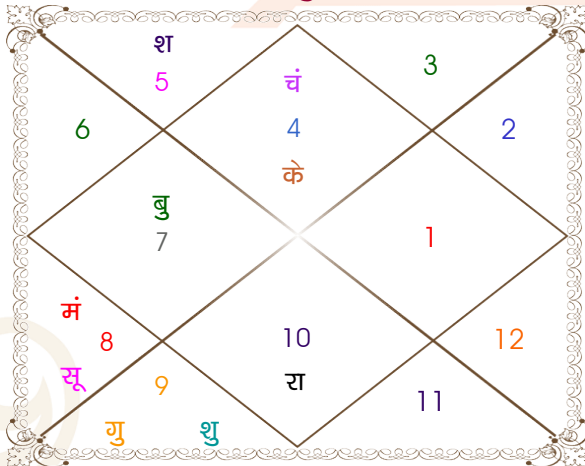
मैत्रीचक्र सारिणी

ग्रह	सूर्य	चंद्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु
सूर्य	---	मित्र	मित्र	शत्रु	मित्र	सम	सम	सम	शत्रु
चंद्र	मित्र	---	शत्रु	मित्र	शत्रु	शत्रु	शत्रु	शत्रु	सम
मंगल	मित्र	मित्र	---	सम	मित्र	शत्रु	शत्रु	शत्रु	सम
बुध	मित्र	सम	शत्रु	---	शत्रु	मित्र	शत्रु	मित्र	शत्रु
गुरु	मित्र	मित्र	मित्र	सम	---	सम	शत्रु	शत्रु	शत्रु
शुक्र	सम	सम	शत्रु	मित्र	शत्रु	---	मित्र	सम	मित्र
शनि	सम	सम	सम	मित्र	शत्रु	मित्र	---	मित्र	शत्रु
राहु	सम	शत्रु	सम	मित्र	शत्रु	सम	मित्र	---	मित्र
केतु	शत्रु	सम	सम	शत्रु	शत्रु	मित्र	शत्रु	मित्र	---

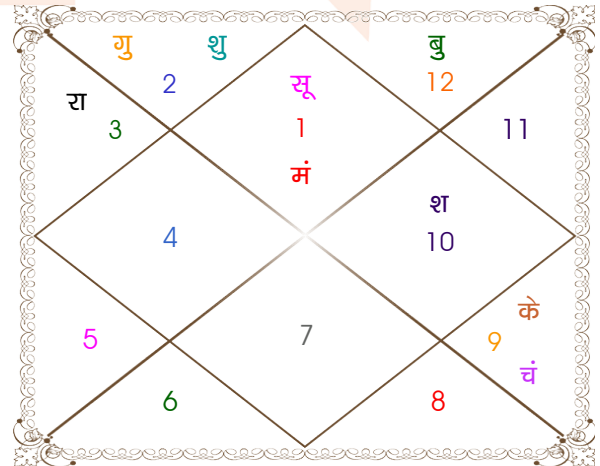
ग्रह/राशि फल

ग्रह	वर्णन	फल
सूर्य	सुख की नींद, मगर पराई आग से जल मरने वाला।	--
चंद्र	मुर्दा माता, जला दूध।	--
मंगल	गर्म स्वभाव, मनमर्जी से चलने वाला नेक।	--
बुध	दौलत मंद, उल्लू का पट्ट।	--
गुरु	राजगुरु या गद्दीनशीं साधु।	--
शुक्र	रंग बिरंगी माया।	--
शनि	कलम विधाता मकाना मर्दा।	राशि
राहु	राजा गुरु के मातहत।	ग्रह
केतु	बच्चों की मुहब्बत के गम में छत पर रोने वाला कुत्ता।	--

चन्द्र कुंडली



लालकिताब चन्द्र



लालकिताब दशा

शनि 6 वर्ष 18/11/2008 18/11/2014	राहु 6 वर्ष 18/11/2014 18/11/2020	केतु 3 वर्ष 18/11/2020 19/11/2023	गुरु 6 वर्ष 19/11/2023 18/11/2029	सूर्य 2 वर्ष 18/11/2029 19/11/2031
राहु 18/11/2010 बुध 18/11/2012 शनि 18/11/2014	मंगल 18/11/2016 केतु 18/11/2018 राहु 18/11/2020	शनि 18/11/2021 राहु 18/11/2022 केतु 19/11/2023	केतु 18/11/2025 गुरु 19/11/2027 सूर्य 18/11/2029	सूर्य 20/07/2030 चंद्र 20/03/2031 मंगल 19/11/2031
चंद्र 1 वर्ष 19/11/2031 18/11/2032	शुक्र 3 वर्ष 18/11/2032 19/11/2035	मंगल 6 वर्ष 19/11/2035 18/11/2041	बुध 2 वर्ष 18/11/2041 19/11/2043	शनि 6 वर्ष 19/11/2043 18/11/2049
गुरु 19/03/2032 सूर्य 19/07/2032 चंद्र 18/11/2032	मंगल 18/11/2033 शुक्र 18/11/2034 बुध 19/11/2035	मंगल 18/11/2037 शनि 19/11/2039 शुक्र 18/11/2041	चंद्र 20/07/2042 मंगल 20/03/2043 गुरु 19/11/2043	राहु 18/11/2045 बुध 19/11/2047 शनि 18/11/2049
राहु 6 वर्ष 18/11/2049 19/11/2055	केतु 3 वर्ष 19/11/2055 18/11/2058	गुरु 6 वर्ष 18/11/2058 18/11/2064	सूर्य 2 वर्ष 18/11/2064 18/11/2066	चंद्र 1 वर्ष 18/11/2066 19/11/2067
मंगल 19/11/2051 केतु 18/11/2053 राहु 19/11/2055	शनि 18/11/2056 राहु 18/11/2057 केतु 18/11/2058	केतु 18/11/2060 गुरु 18/11/2062 सूर्य 18/11/2064	सूर्य 19/07/2065 चंद्र 20/03/2066 मंगल 18/11/2066	गुरु 20/03/2067 सूर्य 20/07/2067 चंद्र 19/11/2067
शुक्र 3 वर्ष 19/11/2067 18/11/2070	मंगल 6 वर्ष 18/11/2070 18/11/2076	बुध 2 वर्ष 18/11/2076 18/11/2078	शनि 6 वर्ष 18/11/2078 18/11/2084	राहु 6 वर्ष 18/11/2084 18/11/2090
मंगल 18/11/2068 शुक्र 18/11/2069 बुध 18/11/2070	मंगल 18/11/2072 शनि 18/11/2074 शुक्र 18/11/2076	चंद्र 19/07/2077 मंगल 20/03/2078 गुरु 18/11/2078	राहु 18/11/2080 बुध 18/11/2082 शनि 18/11/2084	मंगल 18/11/2086 केतु 18/11/2088 राहु 18/11/2090
केतु 3 वर्ष 18/11/2090 18/11/2093	गुरु 6 वर्ष 18/11/2093 19/11/2099	सूर्य 2 वर्ष 19/11/2099 19/11/2101	चंद्र 1 वर्ष 19/11/2101 19/11/2102	शुक्र 3 वर्ष 19/11/2102 19/11/2105
शनि 19/11/2091 राहु 18/11/2092 केतु 18/11/2093	केतु 19/11/2095 गुरु 18/11/2097 सूर्य 19/11/2099	सूर्य 20/07/2100 चंद्र 21/03/2101 मंगल 19/11/2101	गुरु 21/03/2102 सूर्य 21/07/2102 चंद्र 19/11/2102	मंगल 20/11/2103 शुक्र 19/11/2104 बुध 19/11/2105
मंगल 6 वर्ष 19/11/2105 20/11/2111	बुध 2 वर्ष 20/11/2111 19/11/2113	बुध 2 वर्ष 20/11/2111 19/11/2113	बुध 2 वर्ष 20/11/2111 19/11/2113	बुध 2 वर्ष 20/11/2111 19/11/2113
मंगल 20/11/2107 शनि 19/11/2109 शुक्र 20/11/2111	चंद्र 20/07/2112 मंगल 21/03/2113 गुरु 19/11/2113	चंद्र 20/07/2112 मंगल 21/03/2113 गुरु 19/11/2113	चंद्र 20/07/2112 मंगल 21/03/2113 गुरु 19/11/2113	चंद्र 20/07/2112 मंगल 21/03/2113 गुरु 19/11/2113

नोट : 35 साला लाल किताब दशा लगभग तीन चक्र के लिए दी गई है।
उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं।

टेवे की श्रेणी

रतांध ग्रह/अंधा टेवा

लाल किताब के अनुसार रतांध ग्रह को नहोराता के ग्रह भी कहते हैं। ये ग्रह दिन में देखते हैं, परंतु यही ग्रह रात्रि में अंधे हो जाते हैं। ये ग्रह अर्द्ध-अंधे कहे जाते हैं अर्थात् चौथे खाने में सूर्य और सातवें खाने में शनि हो तो वह टेवा आधा अंधा टेवा कहलाएगा।

इस प्रकार का टेवा जातक के व्यावसायिक जीवन में, मन की शांति के लिए और गृहस्थ सुख के लिए काफी हद तक अशुभ असर पड़ता है। सातवें खाने में बैठा शनि बहुत शक्तिशाली हो जाता है। ज्योतिष शास्त्र के अनुसार सप्तम खाने के शनि को दिग्बल प्राप्त हो जाता है। इस भाव का शनि अपनी दसवीं संपूर्ण दृष्टि से सुख स्थान में स्थित सभी ग्रहों को प्रभावित करता है। शत्रु दृष्टि से सूर्य के शुभ फल अशुभता में परिणत हो जाएगा। चतुर्थ स्थान से सूर्य की सप्तम दृष्टि कर्म भाव पर पड़ कर कर्म फल को अशुभ कर देगा। सभी प्रकार की मन की शांति को पूर्ण रूपेण कम कर सभी प्रकार के सुखों को नष्ट कर देगा। कुंडली पर अशुभ प्रभाव देने वाला शनि और उसकी दृष्टि है। अतः सूर्य के उपाय की उपयोगिता नहीं। मात्र शनि की अशुभता नष्ट करने के लिए शनि का उपाय करना चाहिए।

निष्कर्ष

आपकी पत्नी रतांध ग्रह से प्रभावित नहीं है।

धर्मी टेवा

लाल किताब के अनुसार कुछ धर्मी टेवा होते हैं। धर्मी टेवा के अशुभ ग्रहों का प्रभाव बहुत हद तक कम हो जाता है। जिस टेवा में बृहस्पति के साथ शनि किसी भी घर में अर्थात् शुभ घर में स्थित हो तो ऐसा टेवा धर्मी टेवा हो जाता है। धर्मी टेवा वाला जातक मुश्किल या कष्ट के समय, जब उसकी सभी राहें अवरुद्ध हो जाती हैं उस समय ईश्वर अपने हाथों से उसकी सहायता करते हैं। शनि ग्रह मुश्किलों का एवं हमारे भाग्य का कारक भी लाल किताब के अनुसार होता है। टेवा में बृहस्पति के साथ अथवा बृहस्पति की राशि में शनि बैठ जाए तो शनि के स्वभाव में शुभता आ जाती है। बृहस्पति और शनि का संबंध बहुत से दोषों को दूर कर देता है। 6ठें, 9वें, 11वें एवं 12वें घरों में शनि बृहस्पति का संयोग होना बड़ी समस्याओं का शमन एवं जीवन के उतार-चढ़ाव को नियंत्रित कर देता है। इसके प्रभाव से (कुंडली) टेवा की अशुभता समाप्त और सारी विपदाओं का अंत हो जाता है।

निष्कर्ष

आपकी पत्नी धर्मी टेवा नहीं है।

नाबालिग टेवा

लाल किताब के अनुसार कुछ हालातों में बारह साल की आयु तक कुछ नाबालिग

टेवे होते हैं। उस दशा में बारह साल तक के बालक की कुंडली का प्रभाव नहीं उसके पिछले जन्म के भाग्य का असर ही प्रभावी रहता है। नाबालिग टेवा उसको कहते हैं जबकि टेवा 1, 4, 7 और 10 खाने अर्थात् केंद्र स्थान खाली हो अथवा सिर्फ पापी ग्रह शनि, राहु और केतु ही हो या अकेला बुध ही हो तो वह नाबालिग ग्रहों का टेवा होगा।

उसकी किस्मत का हाल 12 साल तक शक्की होगा।

लाल किताब के अनुसार नाबालिग टेवा वाले जातक पर बारह वर्षों तक प्रत्येक वर्ष एक-एक ग्रह का प्रभाव निम्नरूपेण पड़ा करता है। जीवन पर पड़ने वाले दुषित प्रभाव की अनुकूलता हेतु निम्नांकित भाव स्थित ग्रह का उपाय करना चाहिए।

1. उम्र के पहले साल में सातवें घर के ग्रह का असर पड़ता है।
2. उम्र के दूसरे साल में चौथे घर के ग्रह का असर पड़ता है।
3. उम्र के तीसरे साल में नौवें घर के ग्रह का असर पड़ता है।
4. उम्र के चौथे साल में दसवें घर के ग्रह का असर पड़ता है।
5. उम्र के पांचवें साल में ग्यारहवें घर के ग्रह का असर पड़ता है।
6. उम्र के छठे साल में तीसरे घर के ग्रह का असर पड़ता है।
7. उम्र के सातवें साल में दूसरे घर के ग्रह का असर पड़ता है।
8. उम्र के आठवें साल में पांचवें घर के ग्रह का असर पड़ता है।
9. उम्र के नवमें साल में छठे घर के ग्रह का असर पड़ता है।
10. उम्र के दसवें साल में बारहवें घर के ग्रह का असर पड़ता है।
11. उम्र के ग्यारहवें साल में पहले घर के ग्रह का असर पड़ता है।
12. उम्र के बारहवें साल में आठवें घर के ग्रह का असर पड़ता है।

निष्कर्ष

आपकी पत्री नाबालिग ग्रहों का टेवा नहीं है।

लाल किताब के अनुसार ऋण भार

कुँडली में दूषित ग्रहों के कारण जातक कई प्रकार से ऋणी होता है अर्थात् कई प्रकार के ऋण भार जातक के ऊपर रहते हैं, जिसके कारण जातक के जीवन का विकास अवरुद्ध हो जाता है। क्योंकि दूषित ग्रहों के दोषयुक्त प्रभाव से शुभ ग्रह भी अनुकूल फल देना बंद कर देते हैं। अस्तु ऋण भार से जातक को मुक्त होना चाहिए ताकि शेष जीवन पर शुभ या अच्छे ग्रहों के अच्छे प्रभाव पड़कर कुँडली के अनुसार शुभता प्राप्त हो सके। नीचे ऋण के प्रकार किस परिस्थिति में जातक पर अदृश्य ऋण पर पड़ता है तथा उसके निराकरण उद्धृत किए जाते हैं।

स्वऋण

ग्रहचाल :

जब जन्मकुंडली में खाना नंबर 5 में शुक्र या शनि या राहु या तीनों में दो या तीनों स्थित हो तो स्वऋण होता है।

निशानिया :

आपको राजभय, निर्दोष होने पर भी मुकदमें में दंड या जुर्माना भुगतना पड़ता है। हृदय रोग, बाजुओं में दर्द, शारीरिक कमजोरी, आंखों में कष्ट, जिगर की खराबी होती है।

घटनाएं :

जातक नास्तिक हो जाता है, धर्म की उपेक्षा करता है स्वास्थ्य अनुकूल नहीं रहता, पूर्वजों के रीति-रिवाज के अनुसार नहीं चलता।

निष्कर्ष

आपकी पत्नी स्वऋण से मुक्त है।

मातृऋण

ग्रहचाल :

जातक की जन्मकुंडली के चौथे खाने में केतु पड़ा हो तो मातृ ऋण का बोझ होता है।

निशानिया :

जातक का कोई सहायक नहीं होता, उसके सभी प्रयास निष्फल होते हैं। सरकारी दंड या जुर्माना भुगतना पड़ता है। जीवन अशांत व्यतीत होता है, दूसरों की इज्जत को उछालना खेलवार करना या जूता चुराना, विद्या का लाभ न मिलना। रिश्तेदारों की बिमारियों पर धन का अपव्यय आदि अशुभ फल होते हैं।

घटनाएं :

मातृ ऋण से प्रभावित जातक माता से दुर्व्यवहार करता है। माता के सुख-दुःख का ख्याल नहीं रखता। माता से दूर रहे या माता को घर से निकाल देता है। मातृ ऋण वाले जातक

के घर के पास या घर में कुआं होगा। घर के पास जलाशय होगा। उस कुएं में गंदगी डाली जाती होगी या जलाशय को गंदा करता होगा। हो सकता है कि जातक के घर के पास नदी-नहर बहती हो। जातक उस में गंदगी डालता होगा।

निष्कर्ष

आपकी पत्नी मातृऋण से मुक्त है।

पारिवारिक ऋण

ग्रहचाल :

जातक की जन्मकुंडली पहले या आठवें खाने में बुध या केतु या दोनों बैठे हो तो रिश्तेदार का ऋण होता है।

निशानिया :

किसी की भैंस बच्चा देने को हो तो उसे मार देना या मरवा देना। किसी का मकान बनने या नीव खोदते समय जादू-टोना कर देना या रिश्तेदारों से मिलने-जुलने बालों से नफरत करना या बच्चों के जन्म दिन और परिवार में त्यौहार या खुशी के समय दूर रहना।

घटनाएं :

जातक मित्रों से धोखा करता है। किसी के बने-बनाए काम को बिगाड़ देता है या किसी की पकी हुई खेती को आग लगा देना।

निष्कर्ष

उपाय :

आपकी पत्नी पारिवारिक ऋण से युक्त है इसलिए परिवार में जहां तक खून का संबंध है (जैसे जातक के दादा-दादी, माता-पिता, बहन, बेटी-बुआ भाई, चाचा-ताया के परिवार के सदस्य आदि) सबसे बराबर-बराबर धन लेकर आपके शहर/गांव के चौक में बैठे कारीगर, हकीम/डाक्टर को उसका काम बढ़ाने के लिये वह धन दान स्वरूप दे दें।

कन्या/बहन का ऋण

ग्रहचाल :

जातक की कुंडली में तीसरे या छठे खाने में चंद्रमा पड़ा हो तो बहन/लड़की का ऋण होता है।

निशानिया :

जवानी में धोखा देना, बहन/बेटी की हत्या या उस पर जुल्म करना। मासुम बच्चों को बेचना या लालच से बदल लेना/देना जिसका भेद दुनिया में कभी न खुले ऐसे रहस्य आदि काम करना।

घटनाएं :

जातक का किसी के साथ अपनी जुबान से बुरा शब्द बोलना तलवार से अधिक गहरा घाव कर सकता है, बेटा पैदा हुआ पिता को उसके धन-दौलत, आयु पर अशुभ फल होगा या माता को पता था कि वह जान से हाथ धो बैठेगी। खुशी के साथ मातम ससुराल-ननिहाल पर अशुभ फल, वर्ष भर की कमाई का वर्षात में घाटा हो जाना आदि।

निष्कर्ष

आपकी पत्नी कन्या बहन के ऋण से मुक्त है।

पितृऋण

ग्रहचाल :

जातक की जन्मकुंडली में 2 या 5 या 9 या 12 खानों में शुक्र या बुध या राहु या तीनों में दो या तीनों ही बैठे हो तो जातक पर पितृ ऋण होता है।

निशानिया :

कुल पुरोहित बदलना या कुल पुरोहित से नाता तोड़ लेना, घर के साथ बने मंदिर को तोड़ देना। पीपल का पेड़ काटना। पीपल का पेड़ होना आदि।

घटनाएं :

परिवार में किसी बुजुर्ग के बाल सफेद हो जाए। बाल सफेद होने के बाद बालों में पीलापन होना शुरू हो जाए, काली खांसी की शिकायत, हो अथवा माथे पर दुनिया की गंदी करतुतो का कलंक लगना आदि घटनाएं होती है।

निष्कर्ष

उपाय :

आपकी पत्नी पितृऋण से युक्त है इसलिए परिवार में जहां तक खून का संबंध (जातक के दादा-दादी, माता-पिता, बहन, बेटी-बुआ, भाई, चाचा-ताया के परिवार के सदस्य आदि) है सबसे बराबर-बराबर धन (एक-एक या पांच-पांच या दस-दस रुपये अधिक से अधिक जितने भी रुपये दे सकें) लेकर उसी दिन मंदिर में दान कर देना आदि।

स्त्री ऋण

ग्रहचाल :

जातक की जन्मकुंडली में सातवें खाने में सूर्य या चंद्रमा या राहु या तीनों में दो या तीनों ही इकट्ठे बैठे हों तो स्त्री ऋण होता है।

निशानिया :

परिवारिक पेट पर लात मारना, स्त्री को बच्चा पैदा होने या बच्चा जनने की हालत में किसी लालच में आकर मार देना। दाँतो वाले जानवरों की पालने से परिवार में नफरत का

उसूल चलता होगा। मकान का गेट दरवाजा दक्षिण दिशा में होना, जीव हत्या करना, मकान या मशीनरी धोखे से ले लेना, किसी की चीज हड़प लेना उसे मुंहताज कर देना आदि।

घटनाएं :

नर संतान का फल मंदा हो जाता है, चमडड़ी में कोढ़, फलवहरी, गुप्तांग में रोग हो जाना, किसी का विवाह होना किसी मुर्दे को जलाना। एक स्त्री के साथ वैवाहिक संबंध टूटने लगे दूसरी स्त्री के साथ संबंध जुड़ने लगना अर्थात् दूसरा विवाह होना आदि।

निष्कर्ष

उपाय :

आपकी पत्नी स्त्री ऋण से युक्त है इसलिए परिवार में जहां तक खून का संबंध (जातक के दादा-दादी, माता-पिता, बहन, बेटी-बुआ, भाई, चाचा-ताया के परिवार के सदस्य आदि) है सबसे बराबर-बराबर धन लेकर गऊ शाला में 100 गायों को चारा खिलाएं (उसमें कोई भी गाए अंगहीन न हो) आदि।

निर्दयी ऋण

ग्रहचाल :

जन्मकुंडली में खाना नंबर 10 या 11 में सूर्य या चंद्र या मंगल या तीनों में दो या तीनों ही इकट्ठे बैठे हो तो निर्दयी ऋण होता है।

निशानिया :

मशीन या मकान की पेशगी देकर न खरीदना, परीक्षा हाल से अकारण बाहर निकाला जाना, बड़े लोगों से अकारण झगड़े या मुकदमें लड़ना आदि।

घटनाएं :

संतान और ससुराल की असमय मृत्यु, तेल या नारियल या लकड़ी या बारदाना के गोदाम में आग लग जाना। मकान खरीदा उसमें रहना नसीब नहीं, मकान खरीदे तो उसकी सिद्धियां मुरम्मत करानी पड़े या तोड़ कर दुबारा बनानी पड़े, सांप और जहर पान की घटनाएं, हथियार से मौत होना आदि।

निष्कर्ष

आपकी पत्नी निर्दयी ऋण से मुक्त है।

आजन्मकृत ऋण

ग्रहचाल :

जातक की जन्मकुंडली में खाना नंबर 12 में सूर्य या शुक्र या दोनों इकट्ठे बैठे हो तो आजन्मकृत ऋण होता है।

निशानिया :

बिजली की तार लीक कर जाना, घर जल जाए, लाखों-करोड़ों पति कुछ ही समय में किसी भी तरह से तबाह हो जाये, सोना गुम या चोरी-ठगी-गबन की घटनाएं, सिर पर जख्म या सिर की बीमारियां, बचपन से बुढ़ापे तक नालायक साबित होना, सोच समझ कर काम करने के बावजूद गरीबी और बेसहारा, दमा-मिरगी, काली खांसी, सांस की तकलीफ, अचानक मौत, मकान की दहलीज के नीचे से गंदा पानी बहना अथवा आवासीय मकान के आगे पीछे कूड़े का ढेर या गन्दगी हो।

घटनाएं :

मुकदमें में फैसले पर नहक जुर्माना/कैद, ससुराल या दुनिया वालो की ठगी करना, या ऐसी ठगी करना जिससे दूसरे का परिवार या नौकरी-व्यापार नष्ट हो जाना आदि।

निष्कर्ष

उपाय :

आपकी पत्नी आजन्मकृत ऋण से युक्त है इसलिए परिवार में जहां तक खून का संबंध (जातक के दादा-दादी, माता-पिता, बहन, बेटी-बुआ, भाई, चाचा-ताया के परिवार के सदस्य आदि) है सबसे एक-एक नारियल उसी दिन जल में प्रवाह करना चाहिए।

ईश्वरीय ऋण

ग्रहचाल :

जातक की जन्मकुंडली में छटे खाने में चंद्रमा हो तो ईश्वरीय ऋण होता है।

निशानिया :

कुत्ते का काटना, छत से बच्चों का गिरना या बच्चा को गाड़ी के नीचे आ जाना, कानों से बहरापन, रीढ़ की हड्डी में कष्ट, संतान पैदा न होना या होकर मर जाना, संतान सुख में बाधा, पेशाब की बिमारियां अधरंग, ननिहाल नष्ट हो जाना, यात्रा में हानि अथवा दुर्घटना हो जाना आदि।

घटनाएं :

किसी पर इतबार किया उसने धोखा दिया, कुत्तों को मारना या मरवाना, गरीब या फकीर की बददुआ लेना, बदचलनी, किसी के लड़कों को गुमराह करके बरबाद करना या करवाना, बुरी नीयत, लालच में आकर किसी का नुकसान करना आदि।

निष्कर्ष

आपकी पत्नी ईश्वरीय ऋण से मुक्त है।

लाल किताब ग्रह फल

सूर्य

आपकी जन्मकुंडली में सूर्य बारहवें खाने में पड़ा है। इसकी वजह से आप घर के बाहर जाकर साधू बनना चाहो तो साधू न बन कर जागीरदार बनेंगे। आपको बड़े-बड़े कामों से धन मिलेगा। डाक्टर/कैमिस्ट के कामों से लाभ मिलेगा। सुख की नींद सोएंगे। नौकरी-व्यापार में शुभ फल मिलेगा। आपके ऊपर बुजुर्गों का आशीर्वाद रहेगा। आपके मकान में रौनक रहेगी। आप अंतिम समय में भी सुख से समय बिताएंगे। आध्यात्म और ध्यान मार्ग में सफलता मिलेगी। गुप्त विद्याओं में रुचि रहेगी, विदेश संबंधी कामों से लाभ मिलेगा या विदेश में निवास का योग है। आटा या चक्की के कामों से भी लाभ मिल सकता है।

यदि आपकी बिना आंगन के मकान में रिहाईश होगी, नीच या विधवा स्त्री से संबंध होंगे, अमानत में खरानत की, बिजली का सामान मुफ्त लिया तो आपका सूर्य मंदा हो सकता है या किसी कारण वश सूर्य मंदा हो गया हो तो सूर्य के मंदे असर से आप अधम, नेत्र रोगी, दिमागी खराबी, आग की तरह जलते रहने वाले होंगे। आंखों की रोशनी पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा। आप काली चीजों, लकड़ी, बिजली के काम से संबंधित नौकरी-व्यापार में नुकसान उठाएंगे। आपको मैकेनिकल काम से भी नुकसान होगा। मकान बनवाने, लोहे, तेल, राशन, कच्चे कोयले के काम में भारी नुकसान होगा। नीच या विधवा स्त्री से आपका संबंध रहने से आपकी और बुजुर्गों की संपत्ति का नाश होगा।

यदि आपको लगता है कि आपको उपरोक्त कष्ट है तो निम्नलिखित परहेज और उपाय करें।

परहेज :

1. बिजली का सामान मुफ्त न लें।
2. किसी की अमानत में खरानत न करें।

उपाय :

1. भूरी चीटियों को त्रिचौली डालें।
2. पानी में चीनी डाल कर सूर्य को जल दें।

चन्द्र

आपकी जन्मकुंडली में चंद्रमा आठवें घर में पड़ा है। इसकी वजह से आपकी औलाद पर अच्छा असर पड़ेगा। आपको पुत्र सुख निश्चय प्राप्त होगा। कृषि कार्य तथा आपकी पत्नी से विशेष मदद की आशा है। बहुत सी मुश्किलों को आप आसान कर सकते हैं, आपके जीवन के 34 साल तक समय साधारण रहेगा। विवाह के बाद आपका भाग्य चमक सकता है या 34 वर्ष के बाद भाग्य चमकेगा। आप ईर्ष्यालु, रोगी, पिता या माता दोनों में से किसी एक के सुख से वंचित रहेंगे। धन कमाने में माहिर होंगे। ननिहाल-ससुराल का सुख मिलेगा। आप माता-पिता की सेवा करेंगे। आपको बुजुर्गों की संपत्ति मिलेगी।

यदि आपने दिल में छल-कपट रखा, सट्टा-जुआ आदि खेला, बुजुर्गों के नाम पर श्राद्ध बन्द किया, ननिहाल/ससुराल में झगड़ा किया तो आपका चंद्रमा मंदा हो सकता है या किसी कारण वश चंद्रमा मंदा हो गया हो तो चंद्रमा के मंदे असर से आपकी सोच निराशाजनक या निराशात्मक भी हो सकती है। मन की शक्ति कमजोर या क्षीण होगी। आपके जन्म समय में माता को बहुत कष्ट हुआ होगा या माता का आप्रेशन हो, ऐसी संभावना है। आप कर्म-धर्म हीन हो जाएंगे, बाधाएं बढ़ेंगी। घर से बेघर होना पड़ सकता है। चरित्रहीन औरतों की संगति से आप बर्बाद हो सकते हैं। परिवार में दमे या मिरगी की बीमारी होने का भय है, पितृदोष से पुत्र का सुख नहीं मिल पाएगा। आप यदि जौहरी का काम करेंगे तो बुरा असर होगा। अकारण लोगों से शत्रुता हो सकती है। झूठ-जूठ आपकी आयु को कम कर सकता है।

यदि आपको लगता है कि आपको उपरोक्त कष्ट है तो निम्नलिखित परहेज और उपाय करें।

परहेज :

1. रात्रि के समय दूध न पीयें।
2. छल कपट न करें।

उपाय :

1. मीठा भोजन या केसर-दाल चना या गुड़-गेहूं धर्मस्थान में दें।
2. स्वर्गवासी बुजुर्गों के नाम पर श्राद्ध करें या अमावस्या के दिन दूध-खीर दान करें।

मंगल

आपकी जन्मकुंडली में बारहवे खाने में मंगल पड़ा है। इसकी वजह से मंगल का अच्छा फल मिलेगा। आपकी आवाज बुलंद रहेगी। वैसे आप पत्नी, धन-संपत्ति से सुखी रहेंगे। पुत्र के जन्म के बाद आपका भाग्योदय होगा। शत्रु आप से बहुत भयभीत रहेंगे। 24 वर्ष आयु में पुत्र सुख प्राप्त होगा। आपका स्वभाव गर्म रहेगा। आप अपनी मनमर्जी से चलेंगे। आप गरीब से धनवान हो जाएंगे। मुसीबतें टल जाएगी। बीमारी से आपका बचाव होता रहेगा। आपका जन्म बहुत बड़े परिवार में होगा या आपके जन्म के बाद वह परिवार बड़ा हो जाएगा। स्त्री पक्ष से धन लाभ होगा। गुरु और ब्राह्मण की आप सेवा करेंगे। वृद्धों और निर्धनों की सहायता करना आपका स्वभाव रहेगा।

यदि आपने अपने पास हथियार रखा, सुबह उठते ही नमकीन चीजों या नमक का प्रयोग किया, परिवार के लोगों पर जुल्म किया, किसी का अहसान न माना तो आपका मंगल मंदा हो सकता है या किसी कारण वश मंगल मंदा हो गया हो तो मंगल के मंदे असर से आपके बारे में झूठी अफवाहें फैल सकती हैं। आपकी प्रकृति नीच रहेगी। पत्नी से अच्छा संबंध नहीं रहेगा या पत्नी सुख में न्यूनता आने की आशंका है। आप बुरी संगति से परेशानी में पड़ सकते हैं। अपनी बेवकूफी से अपनी नौकरी-व्यवसाय चौपट कर बैठेंगे। आपको नेत्र रोग हो सकता है। आपकी बांह पर चोट का निशान या विकलांग होने का भय है। नाड़ियों या खून का रोग हो ऐसी आशंका है। आपका धन बेकार के कामों में खर्च नहीं होगा। आपको चोरी और

क्षति से सावधान रहना पड़ेगा। आपका बड़ा भाई हो तो वह 28 वर्ष आयु तक जीरो हो जाएगा या आपको उससे भाईपन न रहेगा। बड़ा भाई जीवित है तो कई बार जीवन से तंग होकर आत्महत्या करने का विचार पैदा होगा।

यदि आपको लगता है कि आपको उपरोक्त कष्ट है तो निम्नलिखित परहेज और उपाय करें।

परहेज :

1. खुण्डा या जंग लगा हथियार घर पर न रखें।
2. किसी पर भरोसा न रखें।

उपाय :

1. हलुवा या चीनी की रोटी खावें।
2. सुबह उठते ही शहद खावें।

बुध

आपकी जन्मकुंडली में ग्यारहवें खाने में बुध पड़ा है। इसकी वजह से आपकी गुणी और संपन्न संतान होगी। आपकी संतान का विवाह उच्च कुल में होगा। आपके जीवन के 1, 23, 33, 36, 44, 57, 73 84 एवं 94वां वर्ष शुभ और लाभदायक होगा। आप स्वयं हुनरमंद तथा शर्मसार होंगे। आपकी पूरी तरह तकदीर बनने की उम्मीद रहेगी। 34 वर्ष के बाद आप अच्छी प्रकार से जीवन बिताएंगे। आपको दोस्ती करने से लाभ नहीं होगा। आपको विदेश के व्यवसाय से भी लाभ हो सकता है। बुद्धि के कामों में आपको सफलता मिल सकती है। सरकारी पक्ष से लगाव, लाभ और सम्मान प्राप्त हो सकता है। आपको कसीदाकारी, चित्रकला, कलाकारी, अध्यापन या कानूनी काम से लाभ हो सकता है। विशेष रूप से आप अपनी बुद्धि का प्रयोग कर लाभ और प्रतिष्ठा प्राप्त कर सकते हैं।

यदि आपने बुरे या बदकारी के काम किये, चौड़े पत्तों का वृक्ष आपके घर में हुआ, साधू-फकीर से धागे ताबीज आदि लिया तो आपका बुध मंदा हो सकता है या किसी कारण वश बुध मंदा हो गया हो तो बुध के मंदे असर से जीवन के 39वें वर्ष में शारीरिक कष्ट की आशंका है। आपकी बहन अमीर घर में ब्याही जाएगी परंतु पति की वजह से दुःखी रहेगी। आपके बच्चों पर भी कुछ बुरा असर हो सकता है। आपके पांव में, कान में, जिस्म के जोड़ों पर बीमारी होने की आशंका है।

यदि आपको लगता है कि आपको उपरोक्त कष्ट है तो निम्नलिखित परहेज और उपाय करें।

परहेज :

1. चौड़े पत्तों का वृक्ष घर में न लगाएं।
2. पीतल खाली बर्तन बंद न रखें।

उपाय :

1. कंठी वाला तोता पालें।
2. तांबे का पैसा या चौरस टुकड़ा सफेद धागे में डाल कर गले में पहनें।

गुरु

आपकी कुंडली में वृहस्पति पहले खाने में पड़ा है। जिसकी वजह से आप एक पढ़े-लिखे या उपदेशक या गुरु भी हो सकते हैं। आप विद्वान, अच्छी बुद्धि के संतानयुक्त, शासन द्वारा सम्मान पाने वाले बड़प्पन से युक्त होंगे। विद्या के माध्यम से अपनी आजीविका चलाएंगे। पैतृक धन से भी धनी होंगे। यदि आपकी शिक्षा कम भी हो तो फिर भी धन आपको प्राप्त होता रहेगा। आप पैसे की वजह से नहीं, करामाती गुण से सम्मान पाएंगे। आप ऊंचे लोगों के साथ रह कर अपनी दिमागी शक्ति और राजदरबार से संबंधित रह कर, सम्मान प्राप्त करेंगे। शादी के बाद आपकी अर्थिक स्थिति अच्छी हो जाएगी और भाग्योदय होगा। आप अपनी कमाई से नया मकान बनवाएंगे। आपको बहुत जायदाद का लाभ होगा। आप स्वस्थ और प्रसन्न रहेंगे। उम्र बढ़ने के साथ-साथ सुख में भी वृद्धि होगी। आपकी पत्नी आपकी आज्ञाकारिणी और सेविका रहेगी।

यदि आपने विद्या अधूरी छोड़ दी, लोगों की व्यर्थ निंदा की, मुफ्त माल, दान आदि से जीवन व्यतीत करना शुरू किया, छोटी आयु में शराब-बीयर पीना शुरू कर दिया तो आपका वृहस्पति मंदा हो सकता है या किसी कारण वश वृहस्पति मंदा हो गया हो तो वृहस्पति के मंदे असर से अप्रत्याशित घटनाओं एवं अव्यवस्था से सतर्क रहें। विद्या में रुकावट हो सकती है, आपके पिता की मौत दमा या दिल की बीमारी या मानसिक रोग से हो ऐसी आशंका है। आपको श्वास या दमे की बीमारी होगी। प्रथम पुत्र संतान की प्राप्ति से अशुभ फल प्राप्त होने की आशंका है।

यदि आपको लगता है कि आपको उपरोक्त कष्ट है तो निम्नलिखित परहेज और उपाय करें।

परहेज :

1. मुफ्त गिफ्ट या दान न लेवें।
2. किस्मत पर भरोसा रखें।

उपाय :

1. केसर/हल्दी का तिलक करें।
2. बुजुर्गों का आशीर्वाद लेवें।
3. शिक्षा बी.ए. या समकक्ष अवश्य पढ़ें।

शुक्र

आपकी जन्मकुंडली में शुक्र पहले खाने में पड़ा है। जिसकी वजह से आपकी सेहत अच्छी रहेगी। देह में पूरी ताकत रहेगी। आप सुंदर, अच्छा भोजन करने वाले तथा सुंदर स्त्रियों पर आसक्त रहने वाले प्राणी हैं। मस्त चाल आशिकाना मिजाज, अपने आप में प्रसन्न रहने

वाले हर समय स्त्रियों के जैसे संजने-संवरने वाले तथा सुंदरता के गुलाम होंगे। आप में काम शक्ति की अधिकता रहेगी। आप धनवान और परिश्रमी होंगे। आप अपनी आयु के लोगों के मुखिया होंगे। धार्मिक होते हुए भी इशकवाजी की हवस आपमें रहेगी। आपको अपना भवन और उत्तम वाहन का सुख प्राप्त होगा। आपको दूसरे से सलाह लेने पर अच्छा मार्ग दर्शन मिलेगा और आपका भाग्योदय होगा।

यदि आपने स्त्रियों के द्वारा धन कमाना शुरू किया या परस्त्री से अनैतिक संबंध रखे, परिवार में मुखिया बने तो आपका शुक्र मंदा हो सकता है या किसी कारण वश शुक्र मंदा हो गया हो तो शुक्र के मंदे असर से आपको अपने पिता के साथ लड़ाई-झगड़ा करने से धन की हानि और संपत्ति का नाश होगा। 24-25वें वर्ष में आपका विवाह करना शुभ नहीं है। आपके परस्त्री से अनैतिक संबंध रहेंगे तो आपको हानि होगी। आपके धर्महीन होने से भाई से लाभ असंभव है। आपका कामकाज ढीला पड़ेगा। आपके घर के कुछ हिस्से अनिर्मित रहने चाहिए। आपकी पत्नी और धन पर बुरा असर पड़ेगा।

यदि आपको लगता है कि आपको उपरोक्त कष्ट है तो निम्नलिखित परहेज और उपाय करें।

परहेज :

1. चाल-चलन ठीक रखें।
2. नास्तिक न बनें।

उपाय :

1. जौ या सरसों या चरी दान करें।
2. कौवे, कुत्ते और गऊ को भोजन का हिस्सा खिलायें।

शनि

आपकी जन्मकुंडली में शनि नौवें खाने में पड़ा है। जिसकी वजह से आप लोगों पर परोपकार करेंगे तथा इसके अच्छे लाभ भी आपको मिलेंगे। आप बड़े परिवार के सदस्य होंगे। आप भाई एवं मित्रों से सहयोग प्राप्त कर धनवान बनेंगे। आपको चलते-फिरते कामों से अधिक लाभ मिलेगा। आपको संतान का सुख होगा। परंतु संतान के सुख प्राप्ति में विलंब हो सकता है। आपकी पत्नी धनी परिवार से होगी। आपके पास प्रचुर मात्रा में धन रहेगा। आप धन के विषय में लापरवाह रहेंगे। आप उदार प्रवृत्ति के, जागीरदार, सदा सुखी होंगे। माता-पिता का उत्तम सुख प्राप्त होगा। आप विद्वान होंगे। आप पर कभी भी कर्ज का बोझ नहीं पड़ेगा। आपका भाग्य अपने माता-पिता के भाग्य से अच्छा होगा। आपकी पत्नी भाग्यवान और अमीर खानदान की होगी। आप पैसे के प्रति बहुत मोह नहीं करेंगे। तीर्थ यात्रा करेंगे भाग्योन्नति होगी उससे अधिक शुभ फल प्राप्त होते रहेंगे। आप धार्मिक विचार वाले होंगे।

यदि आपने दूसरों के माल पर बुरी नजर रखी, जुआ आदि खेला, बुरे काम किये, लोहा/मशीनरी आदि के कार्य किये, घर में शीशम का पेड़ हो, जब आपके नाम 3 मकान बन जायें तो आपका शनि मंदा हो सकता है या किसी कारण वश शनि मंदा हो गया हो तो शनि के

मंदे असर से आप ब्याज का धंधा करें तो नुकसान होगा। आपके दिल में दूसरों से बदला लेने की भावना रहती है। अग्निकाण्ड की शंका है। आपको सांस या दमे की बीमारी हो सकती है। संतान सुख में विघ्न या पुत्र-पौत्र संतान की चिंता रहेगी। मंदे कामों से बदनामी भी हो सकती है। आंखों की दृष्टि खराब हो ऐसी आशंका है। अमीरों से धन लूट कर गरीबों में बांटना, ऐसी आपकी सोच रहेगी।

यदि आपको लगता है कि आपको उपरोक्त कष्ट है तो निम्नलिखित परहेज और उपाय करें।

परहेज :

1. दूसरों के माल पर बदनीयत न करें।
2. घर की छत पर ईंधन-चौगाठ आदि न रखें।

उपाय :

1. माथे पर केसर का तिलक करें।
2. घर के अंत में अंधेरा कमरा बनायें।

राहु

आपकी जन्मकुंडली के दूसरे खाने में राहु पड़ा है। इसकी वजह से आपको पूरी मान-प्रतिष्ठा प्राप्त होगी। आप राजशाही जीवन बिताएंगे। आप दीर्घजीवी होकर ऐश की जिंदगी बिताएंगे। युवावस्था में किसी चीज की कमी नहीं रहेगी। आपकी स्त्री रूपवान एवं सुशील होगी। आप उस्तादों के भी उस्ताद होंगे। गृहस्थी अच्छी चलेगी। आपको अधिक धन प्राप्त होगा। माता के साथ मधुर संबंध, ससुराल पक्ष का सुख अच्छा हो सकता है। चोरी से सावधान रहें। पैतृक संपत्ति नहीं के बराबर प्राप्त होगी मगर अपनी कमाई द्वारा अधिक संपत्ति बना लेंगे। परिवार के लोग सुखी रहेंगे। आपके धन कोष में बहुत वृद्धि होगी। किस्मत का असर शुभ और अशुभ दोनों हालातों में ऊपर-नीचे होता रहेगा।

यदि आपने घर में मंदिर रखा, सरसों का कार्य किया, मादक चीजों-द्रव्यों का प्रयोग किया या जुआ आदि खेला, ससुराल या साले का विरोध किया तो आपका राहु मंदा हो सकता है या किसी कारण वश राहु मंदा हो गया हो तो राहु के मंदे असर से आप उदर रोग अर्थात् आंत रोग के मरीज होंगे। धर्मस्थान में चोरी आपके हाथों हो सकती है। आपका जीवन निर्वाह धर्मस्थान से प्राप्त अन्न से होगा। आप दान की हुई वस्तु लेने में तनिक भी नहीं हिचकेंगे या मुफ्त की वस्तुएं प्राप्त होती रहेंगी। आर्थिक एवं पारिवारिक सुख में कमी आ सकती है। आपकी कमाई का कुछ भाग खराब हो सकता है। आपको पुलिस का भय रहेगा। सजा सुन कर या सजा सुनने से पहले फरार हो जायेंगे, कैदी कभी न होंगे, ऐसी आशंका है। फौजदारी मुकद्दमें में हानि होगी।

यदि आपको लगता है कि आपको उपरोक्त कष्ट है तो निम्नलिखित परहेज और उपाय करें।

परहेज :

1. सट्टा, जुआ आदि न खेलें।
2. धर्मस्थान में रिहाईश न करें/न जायें।

उपाय :

1. चांदी की ठोस गोली गले में धारण करें।
2. केसर या हल्दी का तिलक करें या शुद्ध सोना पहनें।

केतु

आपकी जन्मकुंडली में केतु आठवें खाने में पड़ा है। इसकी वजह से पत्नी का स्वास्थ्य अगर खराब रहता हो तो चारित्रिक सुधार के पश्चात् पत्नी का स्वास्थ्य अच्छा हो जाएगा। आपके जीवन के 34 वर्ष आयु से पहले या 34 वर्ष आयु के बाद संतान पैदा होगी। आपकी कई संताने होंगी। पुत्र से सुख मिलेगा और पुत्र को संसार में यश-मान मिलेगा। जीवन में उत्थान होगा।

यदि आपने शराब-कबाब का सेवन किया, घर की छत पर रिहाईश हो, कुत्ता पाला या घर की छत पर कुत्ता बांधा, परस्त्री से अनैतिक संबंध रखे तो आपका केतु मंदा हो सकता है या किसी कारण वश केतु मंदा हो गया हो तो केतु के मंदे असर से आपको संतान के बारे में चिंता बनी रहेगी। आप स्त्री से द्वेष करेंगे। आपका दगाबाजी का स्वभाव भी रहेगा। आप बवासीर रोग से ग्रसित रहेंगे। आप किसी भी व्यक्ति के सामने अपना दुःखड़ा रोयें तो आपकी और भी हानि होगी। संतानोत्पत्ति में अवरोध उत्पन्न हो सकता है। आपके मकान की छत गिर जाए तो अशुभ समझें। उस वक्त रोटी के भी लाले पड़ सकते हैं। संतान एवं धन के संबंध में मंदा असर लग रहा है। आपके जन्म के पूर्व बड़े भाई की मृत्यु हो गई हो ऐसा लगता है। गृहस्थ जीवन में भी दरार पड़ सकती है। वैवाहिक जीवन 26वें वर्ष तक सुखी नहीं रहेगा। 48 वर्ष तक संतान से दुःखी या निःसंतान होने की आशंका है। आपके बुरे चरित्र का बुरा प्रभाव आपकी पत्नी के जीवन पर पड़ेगा। यदि दो विवाह हुए तो संतान 34 वर्ष से पहले और 34 वर्ष के बाद भी पैदा होगी। आपकी औलाद पर बुरा असर नहीं पड़ेगा। आपको मूत्र विकार की आशंका है। आपको अपनी मृत्यु का पूर्वाभास हो जाएगा।

यदि आपको लगता है कि आपको उपरोक्त कष्ट हैं तो निम्नलिखित परहेज और उपाय करें।

परहेज :

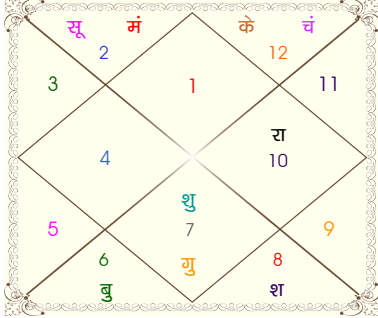
1. घर की छत पर कुत्ता न पालें।
2. जुआ आदि न खेलें।

उपाय :

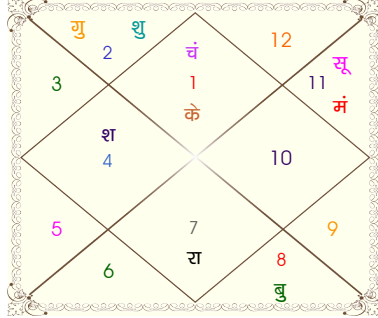
1. काले-सफेद कंबल धर्मस्थान में देवें (संतान की लंबी आयु के लिये)।
2. काले-सफेद कंबल के टुकड़े में, साथ बैठे ग्रह की चीज बांध कर शमशान में दबायें (संतान सुख के लिये)।

लाल किताब - वर्ष कुंडली

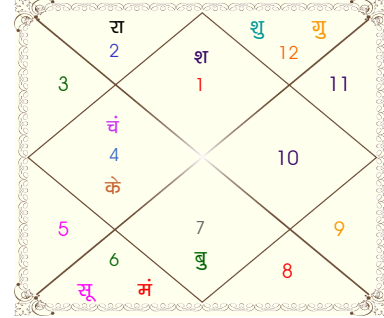
2026



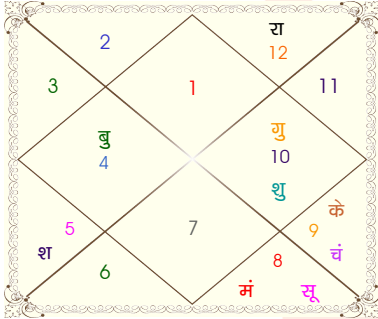
2027



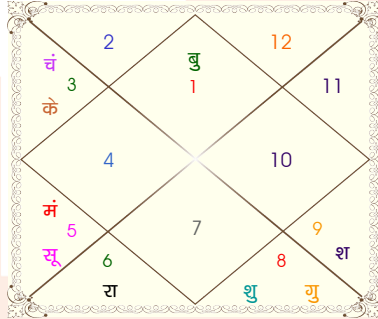
2028



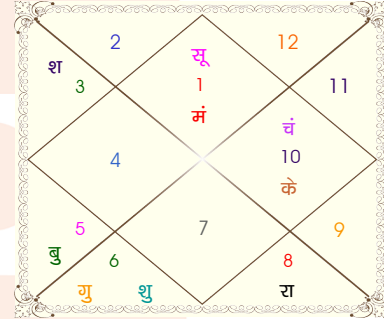
2029



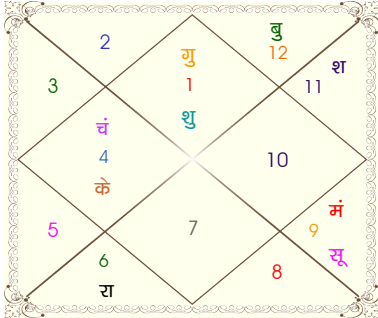
2030



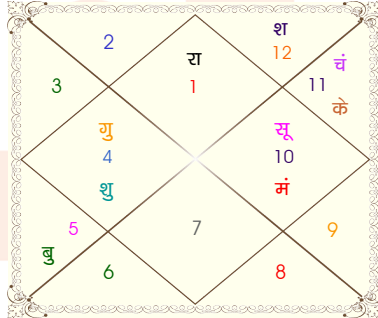
2031



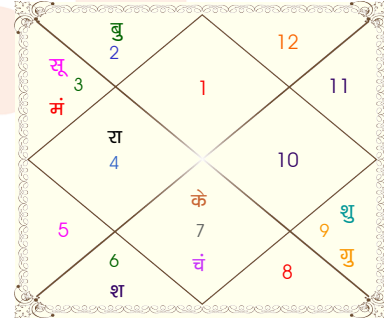
2032



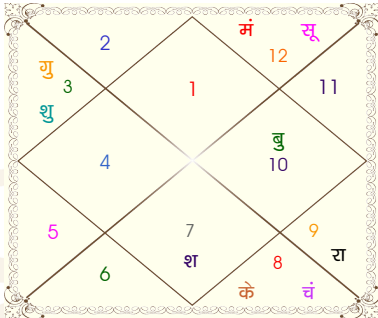
2033



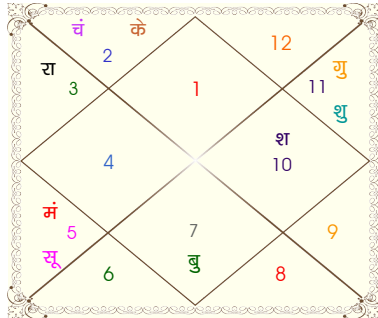
2034



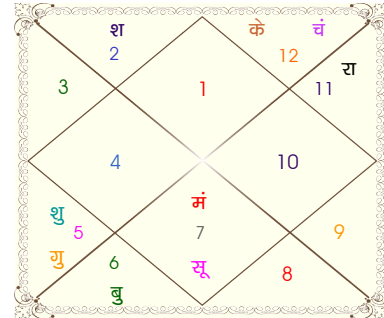
2035



2036



2037



लाल किताब वर्षफल 2026-2027

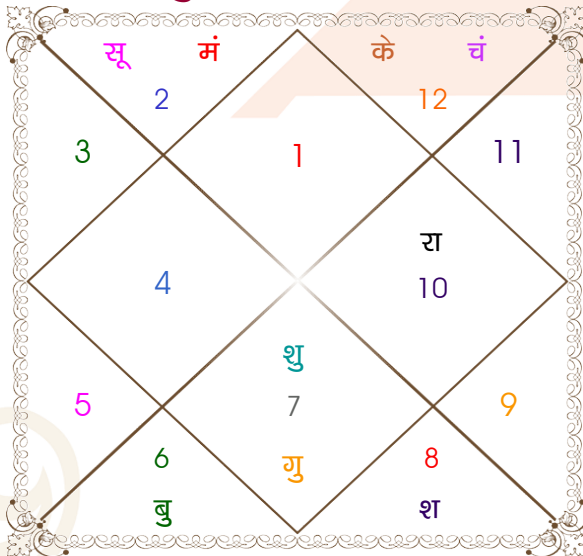
वर्तमान आयु - 19
वर्तमान दशा - गुरु

ग्रह	अंधा	सोया	धर्मी	नेक/मन्दा
सूर्य	--	--	--	मन्दा
चंद्र	--	--	--	मन्दा
मंगल	--	--	--	नेक
बुध	--	हाँ	--	नेक
गुरु	--	--	--	मन्दा
शुक्र	--	--	--	मन्दा
शनि	--	--	--	नेक
राहु	--	--	--	नेक
केतु	--	--	हाँ	मन्दा

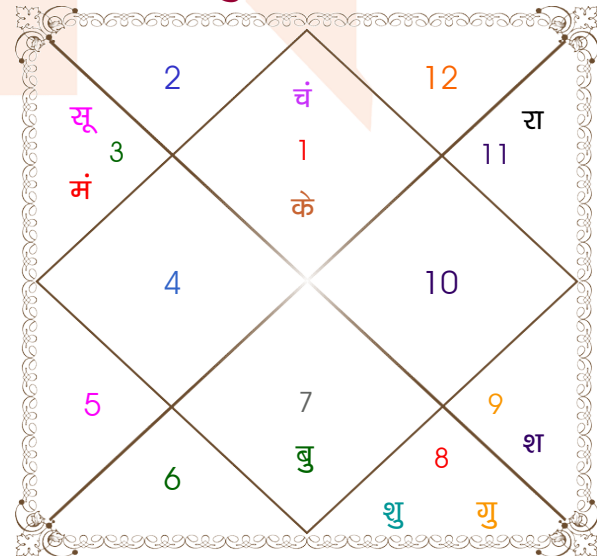
भाव स्थिति

खाना	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12
सोया	हाँ	--	हाँ	हाँ	हाँ	--	--	--	हाँ	--	हाँ	--

वर्ष कुंडली 2026 - 2027



वर्ष चन्द्र कुंडली 2026 - 2027



लाल किताब वर्षफल 2026-2027

सूर्य

आपकी वर्ष कुंडली में सूर्य खाना नं. 2 में है जिसकी वजह से इस वर्ष किसी की अमानत को हड़प करने से आपका आने वाला समय खराब हो सकता है, किसी से दूध, चावल, चांदी आदि मुफ्त या दान न लेवें। चाल-चलन खराब या अनैतिक रखने से आप की अवनति हो सकती है। धन/जमीन/स्त्री के झगड़े में न पड़ें इससे धन-मान की हानि हो सकती है।

सूर्य की अशुभता कम करने हेतु निम्नलिखित उपाय करें।

उपाय :

1. बादाम, नारियल या सरसों का तेल धर्म स्थान में दें।
2. पैतृक मकान में हैंड पंप लगावें।

चन्द्र

आपकी वर्ष कुंडली में चंद्र खाना नं. 12 में है जिसकी वजह से इस वर्ष आपके सभी काम तरस-तरस कर बनेंगे, विद्या संबंधी कामों में रुकावट हो सकती है, आपकी बात बदलने की आदत बनेगी, व्यतीत समय की बातें लोगों को सुना कर अपनी बढ़ाई करेंगे। 'अपने पैर पर कुल्हाड़ी मारना' जैसी कहावत आप पर चरितार्थ हो सकती है। मुकदमों में हार का भय रहेगा।

चंद्र की अशुभता कम करने हेतु निम्नलिखित उपाय करें।

उपाय :

1. नीम के वृक्ष का पानी घर में रखें या आसमानी बर्फ (ओले) शीशे के बर्तन में कायम करें।
2. 16 लीटर वर्षा का पानी कनस्तर में भरकर 4 शुद्ध चांदी के चौरस टुकड़े डाल कर रखें।

मंगल

आपकी वर्ष कुंडली में मंगल खाना नं. 2 में शुभ है जिसकी वजह से आपको इस वर्ष आपके परिवार में अन्न-धन की कोई कमी नहीं रहेगी। आप भाई-बंधुओं के दुःख में हर समय साथ देंगे, आप नेक और इरादे के पक्के रहेंगे जो बात ठान ली वह पूरी कर दिखायेंगे। अगर बड़ा भाई जीवित हो तो उससे अधिक धन, मान आपको मिलेगा। परिवार के लोगों से भी लाभ मिलेगा।

मंगल की शुभता हेतु निम्नलिखित परहेज करें।

परहेज :

1. लड़ाई-झगड़ों से दूर रहें।
2. घर आये मेहमानों की सेवा में कमी न करें।

बुध

आपकी वर्ष कुंडली में बुध खाना नं. 6 में शुभ है जिसकी वजह से इस वर्ष दिमागी कार्यों से लाभ मिलेगा, विदेश भ्रमण की इच्छा भी रहेगी, समुद्री यात्रा से लाभ मिलेगा, कृषि से संबंधित कार्यों से लाभ मिलेगा। वक्तव्य देना, एकाउंटेंट/चार्टर्ड एकाउंटेंट, लेखन, प्रिंटिंग से संबंधित कामों से लाभ होगा। मुंह से निकली बात शत प्रतिशत सही हो सकती है। ननिहाल से लाभ मिलेगा।

बुध की शुभता बढ़ाने हेतु निम्नलिखित परहेज करें।

परहेज :

1. लड़की/बहन का विवाह अपने रिहाइशी मकान की उत्तर दिशा में न करें।
2. सेवक/नौकरों पर हमेशा नज़र रखें।

गुरु

आपकी वर्ष कुंडली में गुरु खाना नं. 7 में है जिसकी वजह से आपको इस वर्ष घर में मंदिर बना कर पूजा करना धन-परिवार के लिये अशुभ होगा। घर में मंदिर हानिकारक मगर दीवार पर तस्वीरें लगा कर पूजा-पाठ कर सकते हैं। घूमने-फिरने वाले साधू की संगत से भाग्य खराब हो जाएगा और जीवन में उतार-चढ़ाव देखना पड़ेगा। मामा को संतान की चिंता रहेगी। बुरे लोगों की संगति से बचे।

गुरु की अशुभता कम करने हेतु निम्नलिखित उपाय करें।

उपाय :

1. शुद्ध सोना और रत्तियां पीले कपड़े में बांध कर रखें।
2. आप विवाहित हैं तो स्त्री मायके से कुछ न कुछ सामान लावें।

शुक्र

आपकी वर्ष कुंडली में शुक्र खाना नं. 7 में है जिसकी वजह से आपको इस वर्ष गोरे रंग की स्त्री से हानि होगी। चाल-चलन भी खराब हो सकता है। कारोबार में आपके भाई-बंधु आपको हानि देंगे या आपके धन को बरबाद करेंगे। वैवाहिक संबंधों में दरार आ सकती है। सरकार या सरकारी विभाग से परेशानी, कोर्ट केस होने का भय रहेगा। पत्नी-माता में तकरार रहेगा।

शुक्र की अशुभता कम करने हेतु निम्नलिखित उपाय करें।

उपाय :

1. बिल्ली की जेर कंबल के टुकड़े में रख कर पास रखें।
2. कांसे का बर्तन दहेज में जरूर लें।

शनि

आपकी वर्ष कुंडली में शनि खाना नं. 8 में शुभ है जिसकी वजह से इस वर्ष आपका मनमौजी स्वभाव रहेगा। एक जगह बैठ कर करने वाले कामों से लाभ होगा। भाग-दौड़ के काम न करें। आर्थिक स्थिति सामान्य रहेगी। पुत्र संतान की खुशी मिले, स्वास्थ्य का विशेष ध्यान रखें। आपके मकान के साथ बंद गली हो उस मकान में आप रिहाइश नहीं रखेंगे तो लाभ होगा।

शनि की शुभता बढ़ाने हेतु निम्नलिखित परहेज करें।

परहेज :

1. अपने नाम पर मकान न खरीदें।
2. सांप न मारें।
3. मकान के मुख्य द्वार की दहलीज की पूजा करें।

राहु

आपकी वर्ष कुंडली में राहु खाना नं. 10 में शुभ है जिसकी वजह से इस वर्ष आपका हर काम सरहानीय होगा। सरकारी विभाग में नौकरी करते हैं तो उच्च पद मिले या सरकार द्वारा आपको लाभ होगा। आपके सिर के बाल सफेद होने शुरू हो जायें या हो चुके हों तो आपकी तरक्की की निशानी है। आपका चरित्र भी ऊंचा होना शुरू हो जायेगा और मान-सम्मान बढ़ेगा।

राहु की शुभता बढ़ाने हेतु निम्नलिखित परहेज करें।

परहेज :

1. सिर पर सूर्य की रोशनी न पड़े अर्थात् नंगा सिर न रखें।
2. मौके के अधिकारी से झगड़ा न करें।

केतु

आपकी वर्ष कुंडली में केतु खाना नं. 12 में है जिसकी वजह से आपको इस वर्ष भाई-बंधुओं से झगड़ा करना और समाज विरोधी कार्य करना ठीक नहीं, आवारा घूमने से आपकी तरक्की में रुकावट पैदा होगी, संतान का मंदा हाल होगा ऐसी आशंका है। कुत्ते के काटने का भय या आपके द्वारा कुत्ता मारा जाना आपके लिए और सेतान के लिए हानिकारक है।

केतु की अशुभता कम करने हेतु निम्नलिखित उपाय करें

उपाय :

1. घर में काला-सफेद कुत्ता पालें या काले-सफेद कुत्ते को कम मीठे की रोटी खिलायें।
2. जीजा, साला और दोहता की सेवा करें।

वर्ष को शुभ बनाने हेतु वर्षारम्भ में विशिष्ट उपाय

- नारियल या तेल या बादाम धर्म स्थान में देवे।

(उपरोक्त उपाय जन्मदिन को या जन्मदिन से 40 दिन के भीतर करें/शुरु करें।)



लाल किताब वर्षफल 2027-2028

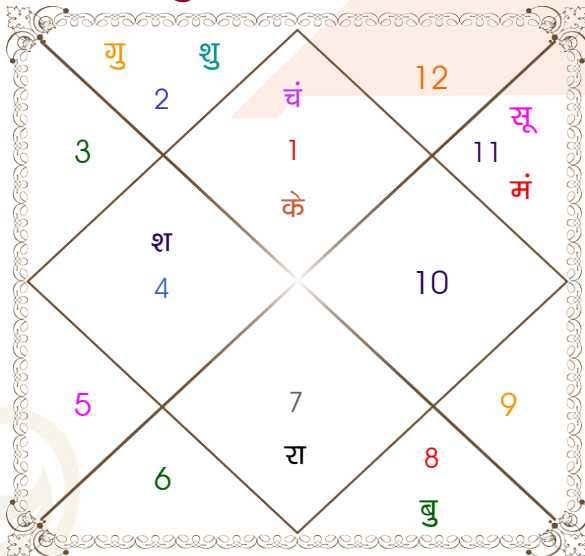
वर्तमान आयु - 20
वर्तमान दशा - गुरु

ग्रह	अंधा	सोया	धर्मी	नेक/मन्दा
सूर्य	--	--	--	मन्दा
चंद्र	--	--	--	मन्दा
मंगल	--	--	--	नेक
बुध	--	--	--	मन्दा
गुरु	--	हाँ	--	मन्दा
शुक्र	--	हाँ	--	नेक
शनि	--	हाँ	--	नेक
राहु	--	--	--	मन्दा
केतु	--	--	हाँ	मन्दा

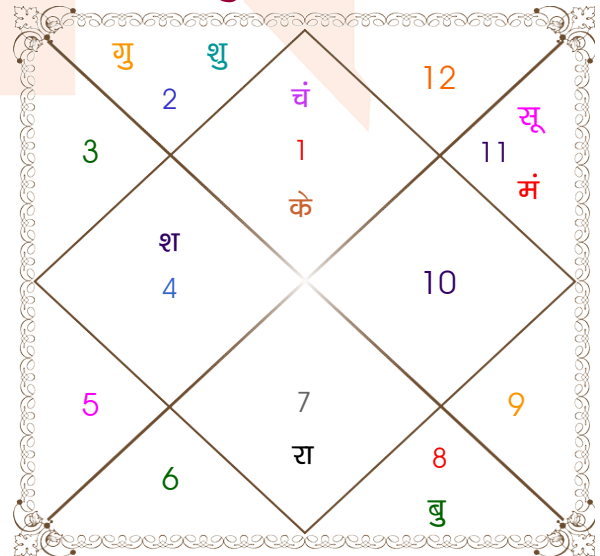
भाव स्थिति

खाना	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12
सोया	--	--	हाँ	--	हाँ	--	--	--	हाँ	--	--	--

वर्ष कुंडली 2027 - 2028



वर्ष चन्द्र कुंडली 2027 - 2028



लाल किताब वर्षफल 2027-2028

सूर्य

आपकी वर्ष कुंडली में सूर्य खाना नं. 11 में है जिसकी वजह से आप इस वर्ष सुस्ती और लापरवाही से जीवन में तरक्की के कई अवसर खो सकते हैं। मांस-शराब के इस्तेमाल करना संतान को कष्ट होगा या संतान सुख की चिंता रहेगी। दूसरे लोगों को गाली देना, झूठी गवाही देना, लड़ाई-झगड़ा करना आपके लिये ठीक नहीं है इन बातों से बचें। सरकारी विभाग द्वारा दंड/जुर्माना का भय रहेगा।

सूर्य की अशुभता कम करने हेतु निम्नलिखित उपाय करें।

उपाय :

1. झूठ न बोलें, जूठ भोजन न खावें और न खिलावें।
2. मांस-मछली न खावें और शराब आदि न पिये मादक चीजों का सेवन न करें।

चंद्र

आपकी वर्ष कुंडली में चंद्र खाना नं. 1 में है जिसकी वजह से आपको इस वर्ष दुनियावी प्रेम संबंधों के कारण हानि होगी, विद्या संबंधी चिंता होगी। संतान सुख में विघ्न, गाय से नफरत करना या नौकरानी से झगड़ा करना आप की तरक्की में रुकावट होगा। सर्दी-जुकाम का भय रहेगा, पानी से होने वाले रोगों से बचें। माता से दूरी या माता का स्वास्थ्य खराब हो सकता है।

चंद्र की अशुभता कम करने हेतु निम्नलिखित उपाय करें।

उपाय :

1. सूर्य को अर्ध्य देवें या वट के वृक्ष को कभी-कभी पानी डालें।
2. चांदी के गिलास में दूध-पानी आदि पीयें।

मंगल

आपकी वर्ष कुंडली में मंगल खाना नं. 11 में शुभ है जिसकी वजह से इस वर्ष आपका स्वभाव न्यायप्रिय रहेगा, अपनी किस्मत स्वयं अपने हाथों से बनाएंगें, कारोबार में तरक्की होगी, जमीन-जायदाद का लाभ मिलेगा और इस वर्ष आपको सभी सुख-सुविधाएं मिलेंगी। पुत्र-पौत्र का सुख मिलेगा, आपको शत्रुओं से कोई भय नहीं रहेगा या शत्रु भी मित्र बन जायेंगे।

मंगल की शुभता बढ़ाने हेतु निम्नलिखित परहेज करें।

परहेज :

1. किसी पर भी भरोसा न करें।
2. कुत्ते को चोट न मारें।

बुध

आपकी वर्ष कुंडली में बुध खाना नं. 8 में है जिसकी वजह से आपको इस वर्ष जादू-टोना आदि विद्याओं में रुचि या इनका प्रभाव रहेगा जो आपको लाभ न देगी। अन्दर ही अन्दर गुप्त रूप से आपको शरीर कष्ट या धन हानि का सामना करना पड़ सकता है। गृहस्थ में कुछ समस्याएं उभर सकती हैं। आलस्य आपके पतन का कारण बनेगा। खराब चाल-चलन और अनैतिक संबंध हार और हानि देंगे।

बुध की अशुभता कम करने हेतु निम्नलिखित उपाय करें।

उपाय :

1. वर्षा का पानी छत पर रखें।
2. इस वर्ष विवाह हो तो तांबे का बर्तन (गागर) मूंग साबित भरकर संकल्प करके पति/पत्नी दोनों जल प्रवाह करें। यदि विवाह हो चुका हो तो भी यह उपाय करना लाभ देगा।
3. गुदा पर सुरमा लगावें।

गुरु

आपकी वर्ष कुंडली में गुरु खाना नं. 2 में है जिसकी वजह से इस वर्ष आपके पिता को कष्ट, सर्वाफी/जौहरी के कामों अर्थात् अधिक लागत के कामों से हानि मिलेगी और मिट्टी के कामों अर्थात् कम लागत के कामों से अधिक लाभ होगा। दूसरों के झगड़े में पड़ कर आप अपना नुकसान कर सकते हैं, सावधान रहें। आपमें कुछ बेरहमीपन भी आ सकता है जिसके कारण आप दुःखी रहेंगे।

गुरु की अशुभता कम करने हेतु निम्नलिखित उपाय करें।

उपाय :

1. मकान में कच्चा हिस्सा जरूर रखें या फूलों वाले गमले लगावें।
2. केसर या हल्दी का तिलक करें।

शुक्र

आपकी वर्ष कुंडली में शुक्र खाना नं. 2 में शुभ है जिसकी वजह से आपको इस वर्ष अधिक परिश्रम करना पड़ सकता है। जिससे दिन दुगनी रात चौगुनी तरक्की होगी। ईश्वर पर भरोसा रहेगा जिससे आपके सभी काम पूर्ण होंगे। साधू वेश में आशिकाना ख्याल रहेंगे। चरित्र सुधार कर रखेंगे। प्रेम संबंधों में धोखा हो सकता है इसलिये प्रेम संबंध के चक्कर से बचें।

शुक्र की शुभता बढ़ाने हेतु निम्नलिखित परहेज करें।

परहेज :

1. पशुओं पर जुल्म न करें।
2. शेर मुंह मकान में रिहाइश न करें।

शनि

आपकी वर्ष कुंडली में शनि खाना नं. 4 में शुभ है जिसकी वजह से आपको इस वर्ष घर से दूर विद्या अध्ययन करने या कारोबार करने से लाभ होगा। विदेश संबंधित काम या विदेश यात्रा भी हो सकती है। नौकरी-व्यापार में बदली, चाल-चलन ठीक रखेंगे। खराब स्वास्थ्य के समय अल्कोहल से लाभ होगा मगर ठीक स्वास्थ्य के समय अल्कोहल का प्रयोग हानिकारक है।

शनि की शुभता बढ़ाने हेतु निम्नलिखित परहेज करें।

परहेज :

1. शराब न पियें, मछली न खावें
2. काला कपड़ा न पहनें।

राहु

आपकी वर्ष कुंडली में राहु खाना नं. 7 में है जिसकी वजह से आपको इस वर्ष बिजली या पुलिस विभाग से संबंधित कामों में हानि का भय, ट्रांसपोर्ट का काम करने से हानि या आयु शक्की हो सकती है। साझेदारों से झगड़ा। कारोबार में उथल-पुथल भी हो सकती है। पत्नी को सिर दर्द का रोग हो सकता है। पत्नी से तनाव या पत्नी से जुदाई भी हो सकती है।

राहु की अशुभता कम करने हेतु निम्नलिखित उपाय करें।

उपाय :

1. नारियल का दान करें।
2. शुद्ध चांदी की दो ईंटे घर में कायम करें।
3. प्लास्टिक की डिब्बी में शुद्ध चांदी का चौरस टुकड़ा रख कर गंगा जल भर कर रखें।

केतु

आपकी वर्ष कुंडली में केतु खाना नं. 1 में है जिसकी वजह से आपको इस वर्ष परिवार में किसी व्यक्ति के संतान योग हो तो लड़के की बजाय लड़की पैदा होगी। अगर यात्रा हो तो यात्रा में हानि होगी। नौकरी में स्थायी काम करना अधिक लाभ देगा। घर से दूर स्थानान्तरण हो या विदेश योग बने तो 100 दिन में वापिस आना पड़ेगा। तबदीली हो जाये तो रुक सकती है।

केतु की अशुभता कम करने हेतु निम्नलिखित उपाय करें।

उपाय :

1. लाल रुमाल पास रखें।
2. काले-सफेद कुत्ते की सेवा करें या पालें।

वर्ष को शुभ बनाने हेतु वर्षारम्भ में विशिष्ट उपाय

• माता या माता सामान स्त्री को उपहार देकर आशीर्वाद लेवे या चांदी के गिलास में कच्चा दूध पिये।

(उपरोक्त उपाय जन्मदिन को या जन्मदिन से 40 दिन के भीतर करें/शुरु करें।)



लाल किताब के उपाय

लाल किताब के उपाय कब और कैसे करें !

1. उपाय सूर्य निकलने के बाद सूर्य छिपने तक दिन के समय करें, रात के समय उपाय करना कई बार अशुभ फल दे सकता है। केवल चन्द्र ग्रहण का उपाय रात को किया जा सकता है।
2. उपाय शुरू करने के लिए किसी खास दिन सोमवार या मंगलवार आदि, सक्रांति, अमावस्या या पूर्णिमा आदि का कोई विचार नहीं होगा।
3. आप का कोई खून का संबंधी रिश्तेदार जैसे भाई-बहन, माता-पिता, दादा-दादी, पुत्र-पुत्री आदि में से उपाय कर सकता है जो फलदाई होगा।
4. एक दिन में केवल एक ही उपाय करें, एक दिन में दो उपाय करने से शुभ फल नहीं मिलता या किया हुआ उपाय निष्फल हो सकता है।
5. जो परहेज बताए जाये जैसे मांस-मछली न खावें, मदिरा का सेवन न करें, चाल-चलन ठीक रखें, झूठ न बोलें, जूठन न खावें न खिलावें, नियत में खोट न रखें, परस्त्री-परपुरुष से संबंध न करें, आदि का विशेष ध्यान रखें।
6. जो उपाय जिस समय के लिये लिखा है उसी समय तक करें, आगे यह उपाय बंद कर दें।
7. यदि किसी कारण उपाय बीच में बंद करना पड़ जाय तो जिस दिन उपाय बन्द करना है उससे एक दिन पहले थोड़े से चावल दूध से धोकर सफेद कपड़े में बांध कर पास रख लें और जब दुवारा उपाय शुरू करना हो वह चावल धर्म स्थान में या चलते पानी में या किसी बाग-बगीचे आदि में गिरा कर उपाय फिर शुरू कर दें। ऐसा करने से उपाय अधूरा नहीं माना जाएगा और पूरा फल मिलेगा।
8. हर उपाय 43 दिन या 43 सप्ताह या 43 मास या 43 वर्ष तक करना होता है, उपाय चलते समय बीच में टूट जाए चाहे 39वां दिन क्यों न हो सब निष्फल हो सकता है या शुभ फल में कमी रह सकती है।
9. जन्म कुण्डली में अशुभ ग्रहों का वर्षफल कुण्डली में उपाय अपने जन्मदिन से लेकर 40-43 दिन के भीतर ही करें।
10. घर में कोई सूतक (बच्चा जन्म हो) या पातक (कोई मर जाय) हो जाय तो 40 दिन उपाय नहीं करने चाहिये।
11. बुजुर्गों के रीति-रिवाजों को न तोड़ें और संस्कार पूरे करें।